1 सहयोग की शक्ति

(कहानी)

SCAN ME

पाठ परिचय

इस पाठ में हम एक मेहनती बालिका और पक्षियों के साथ मिलकर काम करने की एक बहुत ही अच्छी कहानी पढ़ेंगे। यह कहानी हमें सिखाती है कि यदि हम पेड़-पौधों और जानवरों से प्यार करते हैं, तो वे भी कठिन समय में हमारा साथ देते हैं।

पाठ का उद्देश्य

नैतिक बोध CG 12

विद्यार्थियों के भीतर पर्यावरण संरक्षण, कठिन परिश्रम, धैर्य, और एक-दूसरे की निस्वार्थ सहायता करने जैसे नैतिक मूल्यों का विकास करना।

सोचिए और बताइए

तार्किक चिंतन CG 1

यदि ग्रीष्म ऋतु में आपके घर के आस-पास लगे पौधे सूखने लगें, तो आप उन्हें बचाने के लिए क्या-क्या उपाय करेंगे?

....

....

....

....

....

अध्यापन संकेत

शिक्षण दिशा CG 1 CG 13

- **अनुभवात्मक चर्चा:** कक्षा में विद्यार्थियों से उनके द्वारा देखे गए उद्यान, वृक्षों और पक्षियों के विषय में चर्चा करें।
- **संवादात्मक प्रश्न:** विद्यार्थियों से पूछें, "जब आपको प्यास लगती है, तो आप क्या करते हैं? यदि पशु-पक्षियों को प्यास लगे, तो वे जल कहाँ से प्राप्त करेंगे?"
- **आदर्श वाचन:** शिक्षक सर्वप्रथम उचित हाव-भाव, ध्वनि के उतार-चढ़ाव (आरोह-अवरोह) और शुद्ध उच्चारण के साथ संपूर्ण पाठ का आदर्श वाचन करें।
- **अनुकरण वाचन:** विद्यार्थियों से छोटे-छोटे समूहों में पाठ का सस्वर वाचन करवाएँ। यह उनके पठन कौशल और आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।

बहुत पहले समय की बात है। एक बहुत ही सुंदर और हरा-भरा गाँव था। उस गाँव का नाम आनंदपुर था। आनंदपुर में राधिका नाम की एक छोटी बालिका अपने माता-पिता के साथ रहती थी। उसे पेड़-पौधों से बहुत अधिक प्यार था। उसके घर के ठीक पीछे एक बड़ी और सुंदर फुलवारी थी। उसमें उसने अपने हाथों से कई तरह के फल देने वाले पेड़ और मीठी सुगंध वाले फूलों के पौधे लगाए थे। राधिका प्रतिदिन सूरज निकलने से पहले उठकर अपनी फुलवारी में जाती और सभी पौधों को प्यार से पानी पिलाती थी।

चर्चा कीजिए

प्रभावी संप्रेषण CG 1

राधिका प्रतिदिन सूरज निकलने से पहले उठकर क्या काम करती थी?

कुछ समय बाद, बहुत तेज़ गर्मी का मौसम आ गया। आसमान में सूरज की धूप बहुत तेज़ हो गई। उस साल गाँव में बिल्कुल भी पानी नहीं बरसा। लगातार तेज़ धूप पड़ने से फुलवारी की मिट्टी बहुत कठोर हो गई और हरे-भरे पौधों के पत्ते पीले पड़कर सूखने लगे। राधिका अपने प्यारे पौधों की यह बुरी हालत देखकर बहुत उदास रहने लगी। पास के तालाब का सारा पानी भी सूख कर भाप बन गया था। अब पौधों के लिए पानी लाने के लिए उसे बहुत दूर एक बड़ी नदी तक पैदल चलकर जाना पड़ता था। लेकिन राधिका ने बिल्कुल भी हिम्मत नहीं हारी। वह प्रतिदिन एक मिट्टी के घड़े में नदी से ठंडा पानी भरकर लाती और सूखते हुए पौधों को बचाने का लगातार प्रयास करती।

एक दिन, एक दयालु पक्षी एक सूखे पेड़ की डाली पर बैठा राधिका की यह मेहनत देख रहा था। उस पक्षी के मन में बहुत दया आ गई। उसने दूसरे पक्षियों से कहा, "मित्रों! यह बालिका बहुत मेहनती है, हमें इसकी सहायता अवश्य करनी चाहिए।" एक छोटे पक्षी ने पूछा, "लेकिन हम इतने छोटे हैं, हम क्या कर सकते हैं?" पहले पक्षी ने उत्तर दिया, "हम अपनी चोंच में पानी ला सकते हैं।" यह सुनकर सभी पक्षी एक साथ बोले, "हाँ, हम सब मिलकर प्रयास करेंगे!" इसके बाद, सभी पक्षी अपनी छोटी-छोटी चोंच में नदी से पानी की बूँदें भरकर लाने लगे और मुरझाए हुए पौधों पर गिराने लगे। यह बहुत ही अनोखा दृश्य था।

चर्चा कीजिए — प्रभावी संप्रेषण CG 1

गर्मी के मौसम में पौधों को सूखता देखकर राधिका ने पानी लाने के लिए क्या मेहनत की?

आसमान में तैरते हुए काले बादलों ने जब छोटी बालिका और छोटे पक्षियों का यह भलाई वाला और मिलकर किया गया काम देखा, तो वे बहुत प्रसन्न हुए। बादलों ने उसी समय ज़ोर की आवाज़ की और आनंदपुर गाँव में बहुत तेज़ वर्षा शुरू कर दी। सूखी और प्यासी धरती की प्यास बुझ गई। राधिका की फुलवारी कुछ ही दिनों में फिर से हरी-भरी हो गई और सब जगह सुंदर फूल खिल उठे। राधिका और सभी पक्षी वर्षा के पानी में खुशी से नाचने लगे। इस तरह, भारी मेहनत और सबके साथ मिलकर काम करने से एक बहुत कठिन काम भी पूरा हो गया।

–डॉ. विद्याभूषण शर्मा

चर्चा कीजिए

प्रभावी संप्रेषण CG 1

पक्षियों के मिलकर काम करने और दया भाव का बादलों पर क्या प्रभाव पड़ा?

शब्दार्थ

शब्द शक्ति CG 2

फुलवारी	- फूलों का बाग	**प्रयास**	- कोशिश
प्रतिदिन	- हर रोज़	**दयालु**	- दया करने वाला
कठोर	- सख्त / कड़ी	**प्रसन्न**	- खुश
उदास	- दुखी	**अनोखा**	- सबसे अलग

अभ्यास

दक्षता विकास CG 2 CG 3

शिक्षक इन शब्दों को पढ़ेंगे और छात्र उन्हें लिखेंगे।

श्रुतलेख– प्रकृति, फुलवारी, प्रतिदिन, कठोर, प्रयास, सहायता, प्रसन्न, अनोखा।

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. राधिका किस गाँव में रहती थी?
2. राधिका को किस चीज़ से बहुत अधिक प्यार था?
3. तालाब का पानी सूखने पर राधिका पानी लेने कहाँ जाती थी?

लिखित प्रश्न

क. सही विकल्प पर सही का चिह्न (✓) लगाइए।

1. राधिका ने अपने हाथों से क्या लगाए थे?

   (i) खिलौने ☐ (ii) पौधे ☐

   (iii) पत्थर ☐ (iv) कपड़े ☐

2. गर्मी के मौसम में सूरज की धूप कैसी हो गई थी?

   (i) ठंडी ☐ (ii) सामान्य ☐

   (iii) बहुत तेज़ ☐ (iv) मीठी ☐

3. राधिका किस बर्तन में पानी भरकर लाती थी?

   (i) बाल्टी ☐ (ii) घड़ा ☐

   (iii) बोतल ☐ (iv) जग ☐

4. आसमान में क्या तैर रहे थे?

   (i) पक्षी ☐ (ii) बादल ☐

   (iii) विमान ☐ (iv) तारे ☐

ख. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए।

फूल, तालाब, सहायता, दया

1. पास के .... का सारा पानी सूख गया था।
2. दयालु पक्षी के मन में .... आ गई।
3. सब जगह सुंदर .... खिल उठे।
4. हमें दूसरों की .... अवश्य करनी चाहिए।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. राधिका अपनी फुलवारी की देखभाल कैसे करती थी?

....

2. गर्मी के मौसम में तेज़ धूप के कारण फुलवारी की क्या हालत हो गई थी?

....

3. राधिका को कड़ी मेहनत करते देख दयालु पक्षी ने अपने मित्रों से क्या कहा?

....

4. छोटे पक्षियों ने मुरझाए हुए पौधों तक पानी पहुँचाने के लिए क्या उपाय किया?

....

5. काले बादलों ने प्रसन्न होकर क्या काम किया?

....

घ. सही वाक्य के सामने सही (✓), तथा गलत वाक्य के सामने गलत (✗) लिखिए।

1. राधिका को पेड़-पौधों से कोई प्यार नहीं था। ☐
2. तेज़ धूप के कारण फुलवारी के पौधे सूखने लगे थे। ☐
3. राधिका ने कठिनाई देखकर अपनी हिम्मत हार दी। ☐
4. बादलों ने पक्षियों का भलाई का काम देखकर तेज़ वर्षा की। ☐

नाम वाले शब्द (संज्ञा)

परिभाषा – किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या जानवर के नाम को संज्ञा कहते हैं।

क. दिए गए वाक्यों में से नाम वाले (संज्ञा) शब्द छाँटकर लिखिए।

1. राधिका फुलवारी में गई। .... , ...
2. गाँव का नाम आनंदपुर था। .... , ...
3. घड़े में पानी है। .... , ...
4. आसमान में बादल हैं। .... , ...
5. पक्षी पेड़ पर बैठा है। .... , ...

विशेषता बताने वाले शब्द (विशेषण)

परिभाषा – जो शब्द किसी नाम (संज्ञा) की विशेषता बताते हैं (कैसा या कितना), उन्हें विशेषण कहते हैं।

ख. दिए गए शब्दों के लिए पाठ के आधार पर सही विशेषता बताने वाले शब्द लिखिए। (जैसे– सुंदर गाँव)

1. .... बालिका
2. .... पेड़
3. .... पानी
4. .... बादल
5. .... फूल
6. .... धूप

उल्टे अर्थ वाले शब्द (विलोम शब्द)

परिभाषा – जो शब्द एक-दूसरे का उलटा (विपरीत) अर्थ बताते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।

ग. दिए गए शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखिए।

1. दिन – .... 2. छोटी – ....
3. सुबह – .... 4. ठंडा – ....
5. रोना – .... 6. सूखी – ....

मूल्यांकन प्रश्न

अनुभव विस्तार CG 5 CG 13

बिना किसी लालच के की गई भलाई का फल हमेशा अच्छा होता है। जब हम दूसरों के दुःख को अपना समझकर उनकी सहायता करते हैं, तो प्रकृति और भगवान भी हमारा साथ देते हैं। मिलकर काम करने से कोई भी बड़ी मुश्किल आसानी से हल हो जाती है।

1. हमें दूसरे जानवरों और पक्षियों की सहायता किस भाव से करनी चाहिए?
2. क्या आपने कभी किसी व्यक्ति या पशु-पक्षी की सहायता की है? कक्षा में अपना अनुभव बताइए।

कल्पना की उड़ान

1. यदि आप राधिका की फुलवारी के एक पेड़ होते, तो पानी मिलने पर आप राधिका से क्या कहते?
2. सोचिए, यदि उस दिन पक्षी राधिका की सहायता नहीं करते, तो फुलवारी का क्या होता?

सूझ-बूझ

गर्मी के मौसम में पक्षियों को बहुत प्यास लगती है और उन्हें पानी आसानी से नहीं मिलता। आप अपनी समझदारी का उपयोग करके अपने घर के आस-पास उनके लिए पानी का प्रबंध कैसे करेंगे?

खोजिए और जानिए

अपने आस-पास पाए जाने वाले किन्हीं पाँच पेड़ों के नाम खोजिए और अपने माता-पिता से पता लगाइए कि उन पेड़ों को प्रतिदिन कितने पानी की आवश्यकता होती है।

इस पाठ से हमने सीखा

पेड़-पौधों से प्यार करना, कठिन समय में हिम्मत न हारना, सभी जीवों पर दया करना, और मिल-जुलकर एक-दूसरे की सहायता करना।